

समय के इशारे को समझें...



राजयोगिनी ब.कु. उषा बहन, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

- गतांक से आगे...

जैसा कि आपने पिछले अंक में पढ़ा कि बाबा ने एक मुरली में कहा कि क्रोध एक कमजोरी है लेकिन सोचो कि ये क्रोध रूपी कमजोरी मेरे जीवन में क्यों आई? कौन-सी शक्ति का अभाव है? तो बाबा ने बताया उसमें कि शांति की शक्ति का अभाव, सहनशक्ति का अभाव और तीसरी है अधीरता। कई होते हैं जल्दी करो, जल्दी करो, और अगर कोई नहीं करता है तो गुस्सा आता है। धीरज नहीं है तो धैर्यता की कमी। अब आइडेंटिफाय किया कि क्रोध रूपी कमजोरी जो है वो इन तीन

कर्मभोग पर विजय प्राप्त करने के लिए पहले कमजोरियों को समाप्त करें...

शक्तियों के अभाव के कारण है। अब क्या करूं?

अब मुझे लिस्ट बनाना है तो कम से कम कितनी कमजोरियां होंगी हरेक के जीवन में आठ-दस? दस ले लेते हैं चलो। अब मान लो कि दस कमजोरियां हैं और उसके लिए, हर कमजोरी के लिए दो या तीन शक्तियों का अभाव है। तीन-तीन शक्तियां भी गिनती कर लो हरेक के लिए तो तीस शक्तियां हो गईं। उसमें कुछेक तो रिपीट होंगी। अच्छा जो रिपीट हो रही है इसका मतलब वो प्रायोरिटी है जिसपर मुझे वर्कआउट करना है।

आज दुनिया में लोग कितने बॉडी कॉन्शियस हैं। बॉडी के लिए कितना करते हैं। हम अपनी कमजोरी के लिए वर्कआउट कितना कर रहे हैं? कुछ भी नहीं कर रहे हैं। इसलिए जो शक्तियों

की लिस्ट निकाली कि ये-ये शक्तियों का अभाव है। उसमें मान लो कई जगह शांति की शक्ति रिपीट हुई आपकी तो अमृतवेले एक सप्ताह तक विशेष उस शक्ति का बाबा से आह्वान करो। अपने अन्दर भरो और भरते जाओ। हफ्ते के बाद अपना रिजल्ट देखो कि कितना भरा है या अभी भी वही हाल है। अच्छा दो सप्ताह कर लो उस शक्ति का आह्वान। फिर सहनशक्ति का दो सप्ताह आह्वान कर लो। फिर धैर्यता की शक्ति पर दो सप्ताह आह्वान कर लो। छह सप्ताह जिस शक्ति पर वर्क आउट करेंगे तो कमजोरी रहेगी या खत्म होगी? खत्म होगी।

जैसे बाबा मुरली में पूछते हैं डेट फिक्स करो, कब तक? हर चीज के लिए डेट फाइनल करते हैं। तो अगर हम इस तरह से अपना वर्कआउट शुरू करें तो होगा या नहीं होगा? तो इसीलिए ये विशेष प्लैन, समय के इशारे को समझते हुए अपनी कमजोरियों को भरते जाना है। और भरके फिर जैसे-जैसे हम अभ्यास करते जायेंगे अशरीरी

कर्मभोग के ऊपर विजय प्राप्त करने के लिए इतना योगबल अपने अन्दर जमा करना है। और जितना योगबल अन्दर में जमा होगा तो आप खुद महसूस करेंगे कि कैसे आप उस कर्मभोग के ऊपर भी विजय पायेंगे।

होने का एक सेकण्ड में तो अन्तिम घड़ी आयेगी, अब कोई कमजोरी रही ही नहीं मेरा पेपर लेने के लिए। तो सहज ही अशरीरी बनना आसान होगा या नहीं होगा? तो नम्बरवन कौन लेगा? सिरियसली अपने आपको देखो क्योंकि बाबा की आश है कि मेरा हर बच्चा सम्पन्न हो जाये।

दूसरी बात समय के इशारे को देखते हुए जो चारों तरफ जिस तरह समय

चलता जा रहा है, उस हिसाब को देखते हुए जैसे ब्रह्मा बाबा के अन्तिम समय के लिए जब बाबा से पूछा गया कि आपकी अन्तिम अवस्था क्या थी? तो बाबा ने उस समय बताया कि कर्मभोग और कर्मयोग की लड़ाई थी। तो कुछ पास्ट के कर्म हैं जिस कारण से कर्मभोग आ सकता है। चाहे छोटा-सा भी आये। जिस तरह ब्रह्मा बाबा के सामने खांसी का भी आया। तो कोई भी छोटा-मोटा कर्मभोग आ सकता है। और वही कारण बनेगा शरीर से अलग होने का। तो इसीलिए अपने अन्दर योगबल को इतना बढ़ायें कि उस योगबल से उस कर्मभोग के बल को समाप्त कर सकें। ताकि अन्तिम समय वो जो है कर्मभोग हमें दर्द पहुंचाना चाह रहा है लेकिन हमारा योगबल, बाबा के साथ की जो लगन है, वो जो प्रीत है वो इतनी अधिक हो कि अन्तिम समय वो भी मेरे लिए विघ्न न बने। मेरी रूकावट का कारण न बने। ये तैयारी भी मुझे अपनी करनी है।

तो पहली, कमजोरी के ऊपर विजय प्राप्त करने के लिए, दूसरी, कर्मभोग के ऊपर विजय प्राप्त करने के लिए इतना योगबल अपने अन्दर जमा करना है। और जितना योगबल अन्दर में जमा होगा तो आप खुद महसूस करेंगे कि कैसे आप उस कर्मभोग के ऊपर भी विजय पायेंगे। जो ब्रह्मा बाबा का अनुभव है वो हम सबका अनुभव हो जायेगा। ये तैयारी मुझे करनी है।

सेल्फ हेल्प



एक विचारणीय विषय है। सोचना पड़ेगा इसपर। हम जब किसी से बात करते हैं धर्म की, पंथ की, समाज की, तो कहते हैं कि समाज में ऐसा चल रहा है तो हमको ऐसा सोचना पड़ता है। समाज की कुरीतियां, समाज की प्रथा, समाज की एक-एक बात हम सब उस बात को लेकर कहते हैं कि समाज में ये चल रहा है ना हमको ये करना पड़ेगा। ये एक बात सिद्ध करता है, बताता और जताता है कि समाज हमसे बना है या हम समाज से बने हैं? आप देखो समाज की सबसे छोटी इकाई को मनुष्य कहा जाता है। और वो मनुष्य जब इस जीवन में है, जब इस जीवन

हमसे संसार है न कि हम संसार से हैं

में कार्य कर रहा है तब तक वो समाज के साथ है अगर वो मनुष्य ही न हो तो उसके लिए तो समाज नहीं है ना। ऐसे ही हम जो भी सोच रहे हैं, बोल रहे हैं, कर रहे हैं वो सबकुछ समाज में रहकर नहीं बोल रहे हैं, समाज से अलग रहकर बोल रहे हैं। बातें समाज में जा रही हैं तो जैसा मैं एक इकाई हूँ, या एक यूनिट हूँ समाज का और अगर मेरे चाल, चलन, व्यवहार, ये तीनों चीजों में बदलाव आयेगा तो इसका इफेक्ट कहाँ पड़ेगा? समाज में। इसलिए समाज को कभी भी दोष देकर हम बच नहीं सकते कि समाज ने हमारे साथ ऐसा किया, समाज में लोग ऐसे हैं, नहीं हम ऐसे हैं इसलिए समाज भी वो वाला वातावरण बनाता जा रहा है। तो समाज का वातावरण बदलना हमारे हाथ में है क्योंकि हमसे समाज है। समाज से हम नहीं हैं। तो अगर हम अपने अन्दर के वातावरण को बदलें, शांति, प्रेम, पवित्रता वाला वातावरण रखें तो उस वातावरण से बाहर का वातावरण ऑटोमेटिकली बदलता चला जायेगा। और वो वातावरण समाज में एक पैरामीटर सेट करेगा जिसपर चलकर सभी बड़े खुश होंगे। देखिए समाज के एक-एक इकाई की जिम्मेवारी है कि अपनी मदद खुद करें और अपने आपको समाज से जोड़कर नहीं समाज से अलग होकर देखें तो समाज के लिए कुछ कर पायेंगे।



सादाबाद-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज के 'शिव शक्ति भवन' के पुनर्निर्माण स्थापना समारोह का उद्घाटन माउण्ट आबू से आर्यों राजयोगिनी ब्र.कु. रुक्मिणी दीदी ने किया। इस मौके पर आगरा क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी, हाथरस प्रभारी ब्र.कु. सीता दीदी, आगरा सबजोन सह प्रभारी ब्र.कु. कविता दीदी, ब्र.कु. अश्विना दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. भावना बहन, जज नीतू चौधरी, नगर पंचायत अध्यक्ष हेमलता अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।



दिल्ली-हरिनगर। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में राजमाने जी, मुम्बई पुलिस के डीसीपी फोर्स वन (स्टेट कमांडो फोर्स), ब्रह्माकुमारीज के सुरक्षा सेवा प्रभाग की वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी से ईश्वरीय सौगात व आशीर्वाद प्राप्त करते हुए।



लखनऊ-जानकीपुरम(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर पुलिस सुरक्षा बल के अधिकारियों एवं जवानों के लिए आयोजित 'तनाव मुक्ति एवं जीवन प्रबंधन' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में मुख्य वक्ता डॉ. स्वामीनाथन, डीआईजी विश्व आनंद, आईटीबीपी, डीएसपी जितेन्द्र, उत्तर प्रदेश पुलिस, ब्र.कु. सुमन बहन तथा भारतीय हिमवीर, आईटीबीपी उत्तर प्रदेश पुलिस और पीएसी के जवानों व अधिकारियों सहित लगभग 300 लोग शामिल रहे।



रुड़की-उत्तराखण्ड। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर 'वैश्विक संस्कृति, प्रेम, सद्भावना' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी। इस मौके पर कर्नल देवेन्द्र सिंह यादव, ब्र.कु. सुशील भाई, संस्थान की देहरादून सबजोन संचालिका ब्र.कु. मंजू दीदी, हरिद्वार सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. मीना दीदी, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. गीता दीदी व ब्र.कु. रजनी दीदी सहित बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।



नई दिल्ली। नेशनल अकाली दल-महिला विंग दिल्ली द्वारा गोल मार्केट स्थित मुक्त धारा ऑडिटोरियम में आयोजित अवॉर्ड समारोह में महिलाओं के सशक्तिकरण एवं नशा मुक्त भारत अभियान में की गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राजयोगिनी ब्र.कु. शक्ति दीदी, ब्रह्माकुमारीज राजौरी गार्डन सबजोन इंचार्ज को परमजीत सिंह पम्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष नेशनल अकाली दल व चेयरमैन फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन ने 'एनएडी देश रत्न अवॉर्ड' से नवाजा एवं भावना धवन, नेशनल प्रेसिडेंट एनएडी महिला विंग ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज राजौरी गार्डन सेवाकेंद्र से जुड़े डॉ. ललित मक्कर एवं प्रेम मक्कर को नशा मुक्त भारत अभियान की सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया तथा साथ ही विभिन्न क्षेत्र में समाज हित में कार्य करने वाले समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया।



दिल्ली-नरेला। पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण करते हुए निगम पार्षद नेहा मिश्रा, अलीपुर, प्रधान रामकुमार खत्री, शांति अपार्टमेंट नरेला, पीडब्ल्यूडी के कार्यकारिणी सदस्य, ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. गीता बहन, अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें व अपार्टमेंट के गणमान्य लोग।